Publication	Edition	Date	Page
Business Jagran	Indore	11th April 2014	07

इंदौर देश के 10 शहरों में शामिल है जहां स्थापित हो रही है लैब

इंदौर में प्रारंभ होगी प्रदेश की पहली टेक्सटाइल लैबोरेटरी

प्रदेश की पहली टेक्सटाइल लैबोरेटरी के अगले माह से इंदौर में प्रारंभ होने की उम्मीद है। इसके लिए उपकरण आ चुके हैं। लैब बनने से प्रदेश के टेक्सटाइल उद्योग में नई तेजी आने की आशा है। वर्तमान में कंपनियों को तैयार कपड़े की गुणवत्ता जांचने के लिए बेंगलुरु व अहमदाबाद जैसे शहरों में भेजना होता है। जिससे आर्थिक लागत बढ़ने के साथ ही समय भी अधिक लगता है।

EXCLUSIVE

- उपकरण पहुंचे इंदौर, अब इंस्टालेशन की तैयारी, मई में मिलेगी सौगात
- टेक्सटाइल व अपेरल इंडस्ट्री को मिलेगी नई सुविधा, आसानी से पता की जा सकेगी कपड़ों की गुणवत्ता

Pankaj Bharti

INDORE (10 April): प्रदेश के रेडीमेड गारमेंट व टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इंदौर में एक अत्याधुनिक टेक्सटाइल लैबोरेटरी की स्थापना की दिशा में तेजी आती दिखाई दे रही है। इस लैब के लिए आवश्यक उपकरण इंदौर पहुंच चुके हैं। अब इन उपकरणों के इंस्टालेशन की तैयारी की जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मई के प्रथम सप्ताह में लैब प्रारंभ की जा सकती है। अपेरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के संस्थान अपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटर में प्रारंभ होने वाली इस लैब में टेक्सटाइल निर्माता व गारमेंट निर्माता अपने प्रोडक्ट की क्वालिटी को परख सकेंगे। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय ने देश के 10 शहरों में इस प्रकार की लैबोरेटरी प्रारंभ करने का निर्णय लिया है, जिसमें मध्यप्रदेश से इंदौर व छिंदवाड़ा शामिल है।

आ चुकी हैं मशीनें

अपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटर (एटीडीसी) की प्रिंसिपल प्रीति सर्वा ने आईनेक्स्ट को बताया कि इंदौर में लैब की स्थापना की अनुमति मिलने के पश्चात गुड़गांव से आवश्यक उपकरण भी आ चुके हैं। अब तक इस तरह की लगभग 9 मशीनें आ चुकी है। अब इनके इंस्टालमेंट का काम किया जा रहा है। प्रीति कहती हैं अगले माह के प्रारंभ तक मशीनों की स्थापना के साथ ही लैब प्रारंभ करने का हमारा प्रयास है।

गीले व सूखे दोनों की जांच

इंदौर में स्थापित हो रही इस लैबोरेटरी में दो प्रकार की सुविधाएं मिलेंगी, जिसमें गीले व सूखे दोनों प्रकार के कपड़ों को जांचा जा सकेगा। सेंटर के अधिकारियों का कहना है कि हालांकि प्रारंभिक तौर पर यह लैब टेक्सटाइल व अपेरल इंडस्ट्री के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित की जा रही है, लेकिन इसका उपयोग उद्योगों द्वारा किए जाने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। एटीडीसी को उम्मीद है कि इस संबंध में भी उन्हें जल्द अनुमति प्राप्त होगी। इस लैबोरेटरी में कपड़े की सभी प्रकार की गुणवत्ता की जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इन जांचों में उसका रंग, मजबूती आदि शामिल है।

इंडस्ट्री को मिलेगी राहत

कपड़ों की क्वालिटी को परखने के लिए फिलहाल मध्यप्रदेश में एक भी लैबोरेटरी नहीं है। इस कारण प्रदेश की कंपनियों व ईकाइयों को कपड़े की गुणवत्ता को जांचने के लिए गुड़गांव, बेंगलुरु, अहमदाबाद आदि शहरों में जाना पड़ता है। प्रदेश में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होने से गारमेंट व टेक्सटाइल निर्माताओं को समय के साथ ही काफी पैसा भी खर्च करना पड़ता है। अब प्रदेश में एक साथ दो शहरों इंदौर व छिंदवाड़ा में यह सुविधा प्रारंभ होने से उद्योग को बड़ी राहत मिल सकेगी। प्रदेश में पहली टेक्सटाइल लैबोरेटरी प्रारंभ करने का श्रेय इंदौर के खाते में जाएगा क्योंकि यहां मशीनों के आने के साथ ही अब सिर्फ इंस्टालेशन का काम शेष है।

चार हजार से अधिक ईकाइयां

अपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटर के अनुसार इंदौर व इसके आसपास रेडीमेड गारमेंट से जुड़ी 4000 से अधिक छोटी-बड़ी ईकाइयों का संचालन किया जा रहा है। लैबोरेटरी के प्रारंभ होने से इन ईकाइयों को अपने उत्पाद की गुणवत्ता को परखने व उसे और अधिक बेहतर बनाने में काफी सहायता प्राप्त होगी। मध्यप्रदेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने लैब को उद्योग हित में बताते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्ता की जांच होने से कंपनियों को धन के साथ ही समय की बचत भी होगी।

177 शहरों में था मुकाबला

अपेरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा संपूर्ण देश में 177 अपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटरों का संचालन किया जाता है। इन 177 सेंटरों में से टेक्सटाइल लैबोरेटरी की स्थापना के लिए सिर्फ 10 शहरों का चयन किया गया है। जिन शहरों का चयन किया गया है उनमें इंदौर के अलावा छिंदवाड़ा, तिरुपुर, जयपुर, फरीदाबाद, भुवनेश्वर, नोएडा, बेंगलुरु, त्रिवेंद्रम और कोलकाता शामिल है।

गारमेंट इंडस्ट्री में उभरा नया सेक्टर

शहर का टेक्सटाइल व रेडीमेड गारमेंट उद्योग अब परंपरागत उत्पाद से हटकर नई विधाओं को अपनाने लगा है। टेक्सटाइल व गारमेंट यूनिटों द्वारा नॉन वुवन टेक्नीकल टेक्सटाइल का उत्पादन प्रारंभ किया जा चुका है। वस्त्र आयुक्त क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर के प्रभारी अधिकारी गौरव गुप्ता के अनुसार व्यक्तियों द्वारा पहनने के उपयोग में आने वाले टेक्सटाइल को छोड़कर अन्य प्रकार के कपड़ों का निर्माण टेक्नीकल टेक्सटाइल के क्षेत्र में आता है। टेक्सटाइल उद्योग के अनुसार इंदौर में फिलहाल 50 से अधिक टेक्सटाइल ईकाइयों द्वारा नॉन वुवन टेक्नीकल टेक्सटाइल का उत्पादन किया जा रहा है, हालांकि अभी ये उत्पादन कई ईकाइयों द्वारा आंशिक तौर पर किया जा रहा है लेकिन इस क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं को देखते हुए जल्द ही ये ईकाइयां पूर्ण रूप से नॉन वुवन टेक्नीकल टेक्सटाइल का उत्पादन प्रारंभ कर देगी। फिलहाल जिन ईकाइयों द्वारा इसका उत्पादन किया जा रहा है उनमें इंडो विटो लिलन, एमएस गारमेंट, वर्धमान टेक फेरो आदि शामिल है। टेक्सटाइल उद्योग के जानकारों का कहना है कि नॉन वुवन टेक्नीकल टेक्सटाइल से विभिन्न प्रकार के उत्पादन बनाएं जा सकते हैं, जिसका मुख्य प्रयोग मेडिकल हाइजिन वस्त्र के रूप में होता है। इसके अतिरिक्त शॉपिंग बैग्स, फिल्टर प्रोडक्ट, मोटर उद्योग के साथ ही विभिन्न प्रकार के जिंसों को पैक करने के लिए भी इसका प्रयोग किया जा रहा है।

"प्रदेश की पहली टेक्सटाइल लैबोरेटरी की स्थापना इंदौर में की जाना है। इसके लिए आवश्यक उपकरण भी आ चुके हैं। मई तक लैब प्रारंभ होने की आशा है। इस लैब की स्थापना के लिए संपूर्ण देश से मात्र 10 शहरों का चयन किया गया है।

-प्रीति सर्वा,
प्रिंसिपल, अपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटर, इंदौर

CONNECT

अपना फीडबैक हमसे यहां शेयर कर सकते है
facebook.com/indore/inext
mail us : indore@inext.co.in
Call or SMS: 09827296250

Publication	Edition	Date	Page
Patrika	Indore	20 June 2014	04

इंदौर, शुक्रवार, 20.06.2014 पत्रिका सिटी पत्रिका patrika.com 04

पत्रिका डेवलपमेंट इंडेक्स रेडीमेड गारमेंट्स इंडस्ट्री

अब इंदौर में ही जांचेंगे कपड़ों की गुणवत्ता

टैक्सटाइल लैबोरेटरी तैयार, टेस्टिंग जल्द होगी शुरू, प्रदेश के गारमेंट उद्योग को मिलेगी ऊंचाई

लवीन ओहाल @ इंदौर
cityreporter.indore@patrika.com

प्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में जल्द ही कपड़ों की गुणवत्ता जांची जा सकेगी। इसके लिए टैक्सटाइल लैबोरेटरी बनकर तैयार है। एक महीने में टेस्टिंग भी शुरू होने की संभावना है। इसके साथ ही इंदौर देश के उन 13 प्रमुख शहरों में शामिल हो जाएगा, जहां लैब है। इससे शहर व प्रदेश के गारमेंट उद्योग की गुणवत्ता बेहतर करने में मदद मिलेगी।

कपड़ा मिलों से अपनी पहचान बनाने वाले इंदौर में रेडीमेड गारमेंट व टैक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए लैबोरेटरी की स्थापना की जा रही है। मशीनें गुड़गांव से मंगाकर परदेशीपुरा स्थित रेडीमेड कॉम्प्लेक्स के अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल के अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटर में लगाई गई हैं। यहां टैक्सटाइल व गारमेंट निर्माता प्रोडक्ट की जांच करा सकेंगे।

इंदौर की लैब की विशेषता ये है कि इसमें गीले व सूखे दोनों तरह के कपड़ों की गुणवत्ता को जांचा जा सकेगा। सेंटर के ट्रेनर का कहना है, प्रारंभिक तौर पर लैब छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए स्थापित की जा रही है। मगर इसका उपयोग उद्योगों द्वारा किए जाने का प्रस्ताव भेजा गया है। इसके एवज में एटीडीसी द्वारा शुल्क लिया जाएगा। लैबोरेटरी में कपड़े के रंग, मजबूती से लेकर अन्य सभी प्रकार की गुणवत्ता की जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

4000 से ज्यादा इकाइयों को मिलेगा फायदा

अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटर के अनुसार, इंदौर व इसके आसपास के रेडीमेड गारमेंट से जुड़ी 4000 से ज्यादा छोटी-बड़ी इकाइयों का संचालन किया जा रहा है। लैबोरेटरी के प्रारंभ होने से इन इकाइयों को अपने उत्पाद की गुणवत्ता को परखने व उसे और अधिक बेहतर बनाने में काफी सहायता मिलेगी।

छिंदवाड़ा में भी मिलेगी सुविधा

कपड़ा मंत्रालय ने देश के 10 शहरों में टैक्सटाइल लैबोरेटरी स्थापित करने का निर्णय लिया था। अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल देश में 177 ट्रेनिंग एंड डिजाइनिंग सेंटर्स का संचालन किया जाता है। इनमें से लैबोरेटरी की स्थापना के लिए प्रदेश से इंदौर और छिंदवाड़ा के अलावा त्रिपुरा, जयपुर, फरीदाबाद, भुवनेश्वर, नोएडा, बेंगलुरु, त्रिवेंद्रम और कोलकाता का चयन किया गया। वहीं अहमदाबाद, गुड़गांव और बेंगलुरु में यह सुविधा पहले से है।

अब नहीं जाना पड़ेगा अमदाबाद, गुड़गांव

कपड़ों की क्वालिटी को परखने के लिए फिलहाल मप्र में एक भी लैबोरेटरी नहीं है। इस कारण प्रदेश की कंपनियों को गुड़गांव, बेंगलुरु, अहमदाबाद आदि शहरों में जाना पड़ता है। प्रदेश में यह सुविधा नहीं होने से गारमेंट व टैक्सटाइल निर्माताओं को समय के साथ काफी पैसा भी खर्च करना पड़ता है। अब इससे भी राहत मिलेगी।